एक नजर

9 जुलाई को दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर आएंगे केसी वेणुगोपाल

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) एवं सांसद केसी वेणुगोपाल 9 जुलाई को दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर देहरादून पहुंचेंगे। दौरे के दौरान वे प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और विभिन्न संगठनात्मक इकाइयों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन राजीव महर्षि ने शनिवार को बताया कि केसी वेणुगोपाल 9 जुलाई को दोपहर 12 बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, केंद्रीय इलेक्शन कमेटी (सीईसी) के सदस्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा सीडब्ल्यूसी सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद अपराह्न 2 बजे वे प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। शाम 4 बजे जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों से संवाद करेंगे, जबकि शाम 6 बजे पार्टी के अनुषांगिक संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। 10 जुलाई को प्रातः 10 बजे से केसी वेणुगोपाल पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद अपराह्न 3 बजे पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे और फिर नई दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बदरीनाथ चढ़ावा मामले में जांच पूरी होने तक निष्कर्ष पर न पहुंचें : महेंद्र भट्ट

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित प्रकरण पर जांच पूरी होने से पहले किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने यात्रा सीजन के दौरान धामों की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली टिप्पणियों से बचने की सलाह दी। महेंद्र भट्ट ने रविवार को जारी बयान में कहा कि जैसे ही कथित अनियमितता की जानकारी मिली, सरकार ने तत्काल जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों से पूछताछ और साक्ष्यों की जांच की जा रही है तथा दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जांच पूरी होने से पहले सोशल मीडिया पर कयासों और अपुष्ट तथ्यों के आधार पर चर्चा करना उचित नहीं है। उनका कहना था कि ऐसे प्रयासों से लोगों की धार्मिक आस्था प्रभावित हो सकती है और देवभूमि की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। भट्ट ने कहा कि पहले भी केदारनाथ मंदिर को लेकर भ्रामक प्रचार किया गया था और जनता ने उसका जवाब चुनावों में दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सनातन धर्म और धार्मिक आस्थाओं को लेकर 'घड़ियाली आंसू' बहा रहे हैं तथा यात्रा को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

होटल की खिड़की से गिरकर तीन वर्षीय बालक घायल

स्वतंत्र चेतना

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल घूमने आए दिल्ली के एक पर्यटक परिवार का तीन वर्षीय बालक होटल की खिड़की से करीब 20 फीट नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी विशाल सोनी अपने परिवार के साथ मल्लीताल स्थित एक होटल में ठहरे हुए थे। रविवार सुबह उनका तीन वर्षीय पुत्र गौरांग कमरे में खेल रहा था। इसी दौरान खिड़की के बाहर बंदर दिखाई देने पर वह उसे भगाने का प्रयास करने लगा। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से वह खिड़की से लगभग 20 फीट नीचे गिर गया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल बालक को तत्काल बीडी पांडे जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। घटना के बाद नगर में बंदरों के बढ़ते आतंक को लेकर एक बार फिर चिंता व्यक्त की जा रही है।

बदरीनाथ धाम में चढ़ावा अनियमितता पर संतों ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामले में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा चार सदस्यीय जांच समिति गठित किए जाने के बाद अब हरिद्वार के संत समाज ने भी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। इस संबंध में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के सचिव श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा गठित जांच समिति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यदि उत्तराखंड सरकार भी इस मामले में सख्ती से कार्रवाई करती है तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सामान्य मंदिरों में चोरी की घटनाएं सुनने को मिलती हैं, लेकिन चारधाम जैसे देश की करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्रों पर ऐसी शिकायतें अत्यंत चिंताजनक हैं। उन्होंने बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी से अपेक्षा जताई कि मंदिर की व्यवस्थाओं में अनुभवी कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा निगरानी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाए। कहा कि भगवान बदरीनाथ का धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करते हैं। ऐसे में यदि चढ़ावे में किसी प्रकार की अनियमितता की शिकायत सामने आती है तो यह बेहद गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मामले को केवल विभागीय जांच तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि एक संगठन भैरव सेना की ओर से बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को शिकायत दिए जाने के बाद समिति ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। फिलहाल जांच जारी है।

महिलाओं ने बदली तस्वीर, आईटीबीपी तक पहुंचा रहीं ऑर्गेनिक सब्जियां

स्वयं सहायता समूहों की पहल से किसानों को मिला सीधा बाजार, अब तक 13 कुंतल से अधिक सब्जियों की आपूर्ति

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। राजधानी देहरादून के सहसपुर विकासखंड की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। उद्यान विभाग और ग्रामोत्थान (रीप) की पहल से महिलाएं स्थानीय किसानों से ऑर्गेनिक एवं ताजी सब्जियां खरीदकर सीमाद्वार स्थित आईटीबीपी को नियमित आपूर्ति कर रही हैं। इस पहल से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने के साथ महिलाओं को रोजगार और अतिरिक्त आय का स्रोत भी मिला है।

उड़ान क्लस्टर लेवल फेडरेशन के माध्यम से संचालित इस मॉडल के तहत सहसपुर ब्लॉक की आमवाला नई पंचायत के कोटरा संतूर गांव की महिलाएं आसपास के गांवों से किसानों की उपज एकत्र कर आईटीबीपी तक पहुंचाती हैं। वर्तमान में समूह आईटीबीपी की कुल सब्जी आवश्यकता का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध करा रहा है। अप्रैल

से अब तक समूह पांच बार कुल 1,341 किलोग्राम (13.41 क्विंटल) से अधिक ऑर्गेनिक सब्जियों की आपूर्ति कर चुका है। 29 अप्रैल को 317 किलोग्राम, 11 मई को 181 किलोग्राम, 29 मई को 209 किलोग्राम, 12 जून को 306 किलोग्राम तथा 2 जुलाई को 328 किलोग्राम सब्जियां उपलब्ध कराई गईं। आईटीबीपी की ओर से भविष्य में मांग में 50 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना जताई गई है, जिसके बाद विकासनगर, लांघा और डोईवाला क्षेत्र के किसानों को भी इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। समूह की महिलाएं आलू, टमाटर, गोभी, बैंगन, लौकी, भिंडी, शिमला मिर्च, मशरूम, करेला, धनिया, कद्दू और खीरे सहित विभिन्न ऑर्गेनिक सब्जियों की नियमित आपूर्ति कर रही हैं। प्रत्येक आपूर्ति पर समूह को लाभ भी प्राप्त हो रहा है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। समूह सदस्य लीना धीमान ने बताया समूह की महिलाओं द्वारा ग्रामीण किसानों से ताजी सब्जियां एकत्रित कर आइटीबीपी को सप्लाई की जा रही है। जिससे हमारे जवानों को ताजी व पौष्टिक सब्जियां उपलब्ध हो रही है। इस पहल के माध्यम से हम जैसी ग्रामीण समूह की महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है साथ ही हमारी आजीविका भी अच्छे से चल रही है। साथ ही ग्रामीण किसानों को डायरेक्ट सब्जियों की सप्लाई के माध्यम से अच्छे सब्जियों का मूल मिल रहा है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि अब तक 13 क्विंटल से अधिक ऑर्गेनिक सब्जियों की आपूर्ति की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह पहल महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। अधिक से अधिक महिलाओं को इससे जोड़ने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे। मुख्य उद्यान अधिकारी डी.के. तिवारी ने बताया कि इस पहल के तहत अब तक एक लाख रुपये से अधिक मूल्य की सब्जियों की आपूर्ति की जा चुकी है और किसानों को अनुबंधित दरों पर उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है। वहीं जिला परियोजना प्रबंधक (रीप) सोनम गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक आपूर्ति में समूह की महिलाओं को एक से दो हजार रुपये तक की बचत हो रही है, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिली है।

सेना भर्ती सीईई का परिणाम तीन-चार दिन में, 25 जुलाई से होगी शारीरिक दक्षता परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। भारतीय सेना भर्ती वर्ष-2027 के तहत आयोजित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) का परिणाम अगले तीन से चार दिनों में घोषित किया जाएगा। सेना भर्ती कार्यालय, अल्मोड़ा ने अभ्यर्थियों से भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट और अपने पंजीकृत जीमेल खाते पर नियमित रूप से परिणाम की जांच करने की अपील की है।

भर्ती कार्यालय अल्मोड़ा के अनुसार उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों के केंद्रीय श्रेणी (रिलीजियस टीचर, जेसीओ कैटरिंग, एजुकेशन हवलदार और हवलदार सर्वेयर ऑटो) तथा जोनल श्रेणी (सिपाही फार्मा और नर्सिंग असिस्टेंट) के अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीएफटी) 25 और 26 जुलाई को रानीखेत स्थित सोमनाथ ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। इसी दौरान अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जाएगा। अभ्यर्थियों को आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, शैक्षणिक प्रमाणपत्र एवं अंकतालिकाएं, जाति प्रमाणपत्र, स्थायी निवास प्रमाणपत्र, अविवाहित प्रमाणपत्र, चरित्र प्रमाणपत्र और एक वर्ष के भीतर का ऑनलाइन पुलिस सत्यापन प्रमाणपत्र की मूल प्रतियां साथ लानी होंगी। इसके अलावा सभी दस्तावेजों की तीन-तीन प्रतियां तथा तीन माह से अधिक पुराने न होने वाले 20 पासपोर्ट आकार के फोटो भी अनिवार्य होंगे। आवश्यक दस्तावेज नहीं होने पर अभ्यर्थियों को भर्ती रैली में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। भर्ती कार्यालय के मुताबिक, उत्तराखंड के अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल और ऊधम सिंह नगर जिलों के अग्निवीर श्रेणी के अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 27 जुलाई से सोमनाथ ग्राउंड में शुरू होगी। कुमाऊंनी जाति के अभ्यर्थियों के जाति प्रमाणपत्र में संबंधित जाति का स्पष्ट उल्लेख होना अनिवार्य होगा। कार्यालय ने चेतावनी दी है कि फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कर उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी। अभ्यर्थियों को भर्ती अधिसूचना का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने तथा शारीरिक परीक्षा की तैयारी जारी रखने की सलाह दी गई है। भर्ती संबंधी किसी भी जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए सेना भर्ती कार्यालय, अल्मोड़ा के मोबाइल नंबर 9458168520 और लैंडलाइन 05962-297192 और 05962-298449 पर संपर्क किया जा सकता है।

सेवा पखवाड़े के तहत एकेश्वर को मिली विकास योजनाओं की सौगात

स्वतंत्र चेतना

पौड़ी गढ़वाल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित सेवा, सुशासन एवं समर्पण] जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत रविवार को प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री व चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने विकासखंड एकेश्वर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र को विकास योजनाओं की सौगात दी, विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया तथा स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं। कैबिनेट मंत्री ने मज्याड़ी, अमुली, ग्वाडमल्ला, पणखेत सहित विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन तथा सशक्त मंडल-सशक्त संगठन के अंतर्गत आयोजित बैठकों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी सेवाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 1.8 किलोमीटर लंबे मज्याडी-गोची गांव-पिलखेत मोटर मार्ग (द्वितीय चरण, स्टेज-1) तथा 20 लाख रुपये की लागत से विकासखंड मुख्यालय एकेश्वर में टाइप-2 भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने का किया आह्वान

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रिंग रोड स्थित किसान भवन में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के उपलक्ष्य में सहकार भारती उत्तराखंड द्वारा आयोजित एम-पैक्स नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एम-पैक्स के पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कृषि मंत्री ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सेवा, स्वावलंबन और ग्रामीण विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि एम-पैक्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा मिली है तथा उत्तराखण्ड सरकार भी प्राकृतिक खेती, श्री अन्न, बागवानी और कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि

राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए सहकारिता को सशक्त बनाने के साथ-साथ मिलेट मिशन (श्री अन्न) को भी प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता एवं कृषि विभाग के माध्यम से किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़कर मंडुवा (मोटा अनाज) की खरीद की जा रही है।

साथ ही महिलाओं को मंडुवा के संग्रहण (एकत्रीकरण) कार्य में सहयोग के लिए प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने के साथ-साथ महिला समूहों की आय में भी वृद्धि हो रही है। उन्होंने एम-पैक्स पदाधिकारियों से पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र किसान तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री भुवन विक्रम डबराल, प्रदेश अध्यक्ष विनोद गौड़, प्रदेश संगठन प्रमुख राजेश वर्मा, प्रदेश सह संगठन प्रमुख मणिराम, सुधीर जोशी, डॉ.राकेश डंगवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले का 13वां अभियुक्त गिरफ्तार

30 बोर की सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल व 315 बोर राइफल तथा चार चार जिंदा कारतूस बरामद

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने फर्जी शस्त्र लाइसेंस सिंडिकेट के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपितों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

एसटीएफ के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान 46 वर्षीय पलविंदर सिंह, पुत्र स्वर्गीय धर्म सिंह, निवासी, ग्राम-कचनालगाजी, थाना-काशीपुर, जनपद-ऊधमसिंहनगर के रूप में हुई है। जांच में खुलासा हुआ है कि एक ही फर्जी शस्त्र लाइसेंस नंबर पर दो कूटरचित लाइसेंस तैयार कर दो अलग-अलग हथियार खरीदे गए थे। एसटीएफ ने आज काशीपुर में सटीक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से .30 बोर की एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, .315 बोर की एक राइफल, दोनों हथियारों के चार-चार जिंदा कारतूस तथा एक फर्जी शस्त्र लाइसेंस बरामद किया गया। एसटीएफ ने बताया कि ह्यऑपरेशन प्रहारह्ण के तहत अब तक 13 आरोपितों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। अभियान के दौरान अब तक 19 अवैध शस्त्र, 358 जिंदा कारतूस तथा बड़ी संख्या में फर्जी और संदिग्ध शस्त्र लाइसेंस बरामद किए गए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। एसटीएफ ने फर्जी शस्त्र लाइसेंस धारकों से अपील की है कि वे अपने शस्त्र और लाइसेंस के साथ स्वयं आत्मसमर्पण करें। ऐसा नहीं करने पर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को निरीक्षक अरुण कुमार, निरीक्षक एम.पी. सिंह, उपनिरीक्षक प्रकाश भगत, हेड कांस्टेबल मोहित वर्मा, कांस्टेबल रवि बोरा, हेड कांस्टेबल (चालक) संजय कुमार, हेड कांस्टेबल मनोज बवाड़ी तथा हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कनवाल की टीम ने अंजाम दिया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर अवैध हथियारों और फर्जी शस्त्र लाइसेंस धारकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एसटीएफ फर्जी शस्त्र लाइसेंस नेटवर्क की गहन जांच कर रही है। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए यह मामला राष्ट्रीय स्तर की जांच का विषय बन गया है।

उत्तराखंड में भारी बहुमत के साथ कांग्रेस बनाएगी सरकारः हरक सिंह

स्वतंत्र चेतना

पौड़ी गढ़वाल। मंडल मुख्यालय पौड़ी में रविवार को कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान यात्रा एजेंसी चौक से प्रेक्षागृह तक निकाली गई। यात्रा के दौरान कांग्रेस के पदाधिकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रामंदिर में घोटाले का मुददा जोरशोर से उठाया। रविवार को आयोजित संकल्प यात्रा के दौरान प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता डा. हरक सिंह रावत ने केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला।

कहा कि सनातम धर्म के नाम पर वोट मांगने वाली पार्टी ने राममंदिर में घोटाला कर जनता को धोखा दिया है। कहा कि राममंदिर में घोटाले से लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। जिसका खामियाजा अब भाजपा को चुनाव में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से एकजुट होकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया। कहा कि जिस भी प्रत्याशी को हाईकमान द्वारा टिकट दिया जाए सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी को जिताने का काम करे। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 45 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करते हुए सरकार बनाएगी। पूर्व कैविनेट मंत्री सुरवीर सजवाण ने कार्यकताओं से एकजुट होकर गांव-गांव जाकर कांग्रेस के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। बद्रीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि वर्तमान सरकार से जनता नाराज है और जनता कांग्रेस की ओर अपना समर्थन देने को तैयार है। उन्होंने कार्यकताओं से गुटबाजी से निकलकर एकजुट होकर पार्टी के लिए काम करने पर जोर दिया। इस मौके पर कांग्रेस नेता हरीकृष्ण भटट, जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, अरूणा कुमार, सुंदरलाल मुयाल, विनोद दनोशी, तामेश्वर आर्य, वीरप्रताप, गौरव सागर, प्रमोद मंद्रवाल आदि शामिल रहे।

शिवाजी महाराज का जीवन राष्ट्रभक्ति, सुशासन और स्वराज का आदर्श : धनंजय

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के देहरादून विभाग प्रचारक धनंजय ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक शासक नहीं, बल्कि स्वराज, सांस्कृतिक अस्मिता और सम्पूर्ण हिन्दू समाज के स्वाभिमान के प्रतीक थे। उन्होंने हिन्दवी स्वराज की स्थापना, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा और समाज के आत्मगौरव की पुनर्स्थापना के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया।

प्रांत कार्यालय में आज शाम 'हिन्दू साम्राज्य दिवस' के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता धनंजय ने कहा कि शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व निर्माण में राजमाता जीजाबाई की निर्णायक भूमिका रही। उन्होंने कहा कि जीजाबाई ने शिवाजी को केवल पालन-पोषण ही नहीं दिया, बल्कि राष्ट्रभक्ति, धर्मनिष्ठा, न्यायप्रियता और चरित्र निर्माण के संस्कार भी प्रदान किए। वहीं समर्थ गुरु रामदास के मार्गदर्शन ने उनके नेतृत्व, राष्ट्रदृष्टि और संगठन क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने बाल्यकाल से ही अन्याय का विरोध किया। लगभग 12 वर्ष की आयु में बीजापुर में गौहत्या का विरोध कर उन्होंने निर्भीकता का परिचय दिया। बाद में मुगलशाही और आदिलशाही जैसी शक्तियों का सामना करते हुए उन्होंने अद्वितीय साहस, संगठन क्षमता और रणनीतिक कौशल का परिचय दिया तथा हिन्दवी स्वराज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। धनंजय ने अफजल खान प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने धैर्य, दूरदर्शिता और रणनीतिक कुशलता से विपरीत परिस्थितियों का सामना किया। उन्होंने बाजी प्रभु देशपांडे के अद्वितीय बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका त्याग भारतीय इतिहास में राष्ट्रनिष्ठा, स्वामीभक्ति और कर्तव्यपरायणता का अमर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ह्यहिन्दू साम्राज्य दिवसह्ण केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना, सांस्कृतिक गौरव, स्वाभिमान और संगठन शक्ति को जागृत करने का अवसर है। शिवाजी महाराज का जीवन आज भी युवाओं के लिए राष्ट्रभक्ति, सुशासन, नेतृत्व, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा है। उन्होंने युवाओं से शिवाजी महाराज के आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात कवि श्रीकांत श्री ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख पद्मश्री आर के जैन, रितु गुजराल अधिवक्ता नौटियाल, मधु गुप्ता हरजीत कौर, पंकुल शर्मा, डॉ अभय, विवेक शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

GRIHUM HOUSING FINANCE
Apna Ghar, Apni Pehchan

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः 6वीं मंजिल, बी बिल्डिंग, गंगा ट्रुएनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014 ब्रांच ऑफ यूनिटः दूसरी मंजिल, एसजीएडी कॉम्प्लेक्स, नैनीताल रोड, रुद्रपुर, उत्तराखंड -263153

ई-नीलामी बिक्री सूचना
सरफेसी के तहत सुरक्षित अचल संपत्ति की बिक्री

'सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002' (जिसे आगे 'एक्ट' कहा जाएगा) और 'सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002' के नियम 8 और 9 के तहत अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। आम जनता और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गिरवी रखने वाले/गारंटर को सूचित किया जाता है कि नीचे बताई गई अचल संपत्तियां 'ग्रिहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड' (जिसे एक्ट के अनुसार 'सिक्योर्ड क्रेडिटर' कहा जाएगा) के पास गिरवी रखी गई थीं। एक्ट की धारा 13(2) के तहत नोटिस के बाद, एक्ट की धारा 13(12) और सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स के नियम 8 और 9 से मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, सिक्योर्ड क्रेडिटर के अधिकृत अधिकारी ने इन संपत्तियों का कब्जा ले लिया है। सिक्योर्ड एसेट्स (गिरवी रखी संपत्तियों) को 06-08-2026 को ई-नीलामी के जरिए "जैसा है, जहाँ है" **(As is where is)**, "जैसा है, वैसा है" (As is what is) और "जो कुछ भी है" **(Whatever there is)** के आधार पर बेचा जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम https://www.bankeauctions.com वेबसाइट पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीलामी आयोजित करने जा रहे हैं। बिक्री की विस्तृत शर्तों और नियमों (ळ&उ२) के लिए, कृपया ऋत्रछ/सिक्योर्ड क्रेडिटर की वेबसाइट **www.grihumhousing.com** पर दिए गए लिंक को देखें।

प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम {ए}	मांग सूचना दिनांक और उत्कृष्ट राशि {बी}	कब्जे की प्रकृति {सी}	विवरण संपत्ति का {डी}	संरक्षित कीमत {ई}	ईएमडी (10% आरपी के) {एफ}	ईएमडी जमा करने की तिथि {जी}	वृद्धिशील बोली {एच}	संपत्ति निरीक्षण दिनांक एवं समय {क}	दिनांक और का समय नीलामी {जे}	ज्ञात अतिक्रमण-प्रतिबंध/अदालत मामले यदि कोई हों {के}
ऋण सं. HF0557H21100029 मोहम्मद फरीद (उधार लेने वाला) अब्दुल रसीद (सीओ उधारकर्ता) मोहम्मद तालिब तालिब	नोटिस की तारीखः 09-03-2026 कुल बकाया राशिः रू.16,42,122/- (सोलह लाख बयालीस हजार एक सौ बाईस रुपये मात्र) जो 09-03-2026 तक देय है, साथ ही वसूली होने तक 14.85% सालाना की दर से ब्याज भी लगेगा।	भौतिक	खसरा नंबर 196 Sa Min का वह पूरा हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 1113.75 वर्ग फुट या 103.50 वर्ग मीटर है। यह सितारगंज गाँव, वार्ड नंबर 1, तहसील-सितारगंज, ज़िला उधम सिंह नगर में स्थित है। इसकी सीमाएँ (बिक्री समझौते के अनुसार) इस प्रकार हैं :- पूर्वः किसी अन्य व्यक्ति की जमीन, पश्चिमः किसी अन्य व्यक्ति की जमीन, उत्तरः 13 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिणः सुनील की जमीन।	1722219/- रुपये (सत्रह रुपये लाख बाईस रुपये हजार दो सौ उन्नीस रुपये मात्र)	रू.1,72,221.90 (एक लाख बहत्तर हजार दो सौ इक्कीस रुपये और नब्बे पैसे मात्र)	05-08-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	22-07-2026 (सुबह 11 बजे शाम 4 बजे)	06-08-2026 (सुबह 11 बजे दोपहर 2 बजे)	शून्य

बोली लगाने/खरीदने के इच्छुक लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बोली जमा करने से पहले 'सिक्योर्ड क्रेडिटर ब्रांच' और नीलामी वाली प्रॉपर्टी का दौरा करें, खुद जांच-पड़ताल करें, और अतिरिक्त शुल्क, देनदारियों (encumbrances) और किसी तीसरे पक्ष के अधिकारों के बारे में पता करके सभी पहलुओं से संतुष्ट हो लें। प्रॉपर्टी से जुड़े सभी कानूनी बकाया, जैसे प्रॉपर्टी टैक्स, बिजली/पानी का बिल और कोई अन्य बकाया, सफल बोलीदाता को पता करने होंगे और उनका भुगतान करना होगा। इच्छुक बोलीदाताओं को नीलामी सेवा प्रदाता 'C1 India PVT LTD' के पोर्टल पर खुद को रजिस्टर करना होगा और पहले से ही लॉगिन कळऔर पासवर्ड लेना होगा, जो ई-बिडिंग के लिए जरूरी है। पता- प्लॉट नंबर-68, तीसरी मंज़िल, गुड़गांव, हरियाणा-122003। हेल्पलाइन नंबर- 7291981124, 25, 26; सपोर्ट ईमेल ID- Support@bankeauctions.com। संपर्क व्यक्ति- धरणी P, ईमेल **ID- dharani.p@c1india.com**, संपर्क नंबर- 9948182222। कृपया ध्यान दें कि संभावित बोलीदाता केवल उन्हीं से ई-नीलामी पर ऑनलाइन ट्रेनिंग ले सकते हैं। इच्छुक खरीदार/बोलीदाता को 'Earnest Monfey Deposit' **(EMD)** की राशि **NEFT/RTGS/DD** के जरिए **"GRIHUM HOUSING FINANCE LIMITED - AUCTION PROCEEDS A/C"** के खाते में जमा करनी होगी।

बैंक- **ICICI BANK LTD,** खाता नंबर- 091551000028 और **IFSC** कोड- **ICIC0000915, ICICI Bank Ltd,** पंचशील टेक पार्क, गणपति चौक के पास, 43/44 विमान नगर 411014 (किसी भी राष्ट्रीयकृत या शेड्यूल्ड बैंक से जारी)। यह काम 05-08-2026 को या उससे पहले करना होगा। साथ ही, **https://www.bankeauctions.com** पर अपना नाम रजिस्टर करना होगा, मुफ़्त में यूजर कळऔर पासवर्ड प्राप्त करना होगा और सेवा प्रदाता से ई-नीलामी की ट्रेनिंग लेनी होगी। वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन के बाद, इच्छुक खरीदार/बोली लगाने वाले को नीचे दिए गए डॉक्यूमेंट्स की कॉपी अपलोड करनी होगी, ईमेल करना होगा और खुद से अटेस्ट की हुई हार्ड कॉपी इस पते पर भेजनी होगीः दूसरी मंज़िल, **SGAD** कॉम्प्लेक्स, नैनीताल रोड, रुद्रपुर, उत्तराखंड - 263153 मोबाइल नंबर +91 8281138143 ईमेल **ID p.adith@grihumhousing.com**। नियम और शर्तों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए कृपया e-ऑक्शन में भाग लेने के लिए **https://www.bankeauctions.com** और **www.grihumhousing.com** पर जाएं।

इस नोटिस को सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम-2002 के नियम 8(6) के तहत उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गिरवी रखने वाले/गारंटर को 30 दिन का नोटिस भी माना जाना चाहिए।

स्थानः-उधम सिंह नगर, यूके। दिनांकः 06.07.2026 **अधिकृत अधिकारी, ग्रिहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**